भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3400

उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 9 दिसम्बर, 2019

18 अग्रहायण, 1941 (शक)

ग्वालियर किले तक रोप-वे का निर्माण

3400. श्री विवेक नारायण शेजवलकर:

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व प्रसिद्ध पुरातत्व स्थल- ग्वालियर किले तक पहुंच मार्ग अत्यंत दुर्गम्य है;

(ख) क्या सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलने वाला पेट्रोल/डीजल का धुंआ पहाड़ों पर उकेरी गई सैकड़ों वर्ष पुरानी जैन तीर्थंकरों की सम्मानित असंख्य मूर्तियों को नुकसान पहुंचा रहा है जो कि जैनों के लिए बहुत पूज्य है और जिसका पुरातात्विक विरासत मूल्य है;

(ग) क्या राष्ट्रीय धरोहर प्राधिकरण से एनओसी प्राप्त करने के बाद ग्वालियर किले तक रोप-वे का निर्माण किया जा रहा है ताकि इन मूर्तियों को और नुकसान पहुंचने से रोका जा सके;

(घ) क्या रोप-वे निर्माण कार्य जो कि बहुत धीमी गति से चल रहा था गत एक वर्ष से रुका हुआ है;

(ङ) क्या सरकार इस मामले को संज्ञान में लेते हुए मध्य प्रदेश सरकार और ग्वालियर नगर निगम से ग्वालियर में इस रोप-वे के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के संबंध में बात करेगी जिससे भारत के पुरातत्विक विरासतों के संरक्षण और पर्यटन के विकास को सुनिश्चित किया जा सके; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) जी, नहीं। मोटर रोड द्वारा आसानी से ग्वालियर किला पहुंचा जा सकता है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) जी, हां। राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण ने इस परियोजना के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' जारी किया है।

(घ) यह परियोजना अभी तक पूरी नहीं हुई है।

(ङ) और (च) रोपवे का निर्माण राज्य सरकार का विषय है तथा केंद्र सरकार इसमें सहायोग करती है।